



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 445] नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 31, 1975/कार्तिक 9, 1897

No. 445] NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 31, 1975/KARTIKA 9, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

ORDER

New Delhi, the 31st October 1975

S.O. 623(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Gold (Control) Act, 1968, (45 of 1968), I, M. G. Abrol, the Administrator, hereby direct that every licensed dealer, refiner or other person, who lends or advances money on the hypothecation, pledge, mortgage or charge of any article or ornament, or both, and who is required by section 16 of the said Act to make a declaration, shall maintain slips, containing the following particulars, which should be attached to the hypothecated, pledged, mortgaged or charged ornaments or articles or kept in the packet or bag or other receptacle containing the said ornaments or articles, namely :—

- (1) Date of pawning.
- (2) Name and full address of pawnee.
- (3) Number, description and weight of ornaments or articles.

[No. 11/75/F. No. 131/27/72-GC.II]

M. G. ABROL,

Gold Control Administrator.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 1975

क्र० आ० 623 (अ).—मै एम० जी० अत्रोल, प्रशासक, स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देता हूँ कि प्रत्येक अनुसूक्त व्योहारी, परिष्कारक या अन्य व्यक्ति, जो किसी वस्तु या आभूषण या दोनों का आडमान, गिरवी, बंधक, चार्ज पर धन उधार या अग्रिम रूप से देता है, और जिससे उक्त अधिनियम की धारा 16 द्वारा घोषणा करने की अपेक्षा की गई है, निम्नलिखित विशिष्टियाँ अंतर्विष्ट करते हुए ऐसी पंक्तियाँ रखेगा जो आडमान, गिरवी, बंधक या चार्ज में रखे गए आभूषण या वस्तु से सलग्न की जाएगी अथवा उन्हें उस पैकेज, थैले या अन्य पात्र में रखा जाएगा जिसमें ऐसे आभूषण या वस्तुएं रखी हुई हैं, अर्थात् :-

1. पण्यम की तारीख,
2. पण्यमदार का नाम और पूरा पता,
3. आभूषणों या वस्तुओं की संख्या, वर्णन और भार ।

[सं० 11/75/फा० सं० 131/27/72 जी० सी०=II]

एम० जी० अत्रोल, स्वर्ण नियंत्रण प्रश सच ।

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 31st October 1975

S.O. 624(E).—In exercise of the powers conferred by Section 114 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Gold Control (Forms, Fees and Miscellaneous Matters) Rules, 1968, namely :—

1. (1) These rules may be called Gold Control (Forms, Fees and Miscellaneous Matters) Second Amendment Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Appendix to the Gold Control (Forms, Fees and Miscellaneous Matters) Rules, 1968,

(a) in the Schedule to Form G.S. 6, for serial numbers 12 and 13, the following serial numbers shall be substituted, namely :

"12. Are you a whole-sale dealer in standard gold or ornaments?

13. Quantity of ornaments and articles sold to persons other than licensed dealers, during the preceding 12 months ending on 31st October."

(b) in the Schedule to Form G.S. 6A, for serial numbers 11, 12 and 13, the following serial numbers shall be substituted, namely :—

"11. Are you a whole-sale dealer in standard gold or ornaments?

12. Quantity of ornaments and articles sold during the preceding 12 months ending on 31st October—

(a) to persons outside India or to tourists against payment in foreign exchange,

(b) to persons other than licensed dealers."

[No. 12/75/F. No. 131/27/72-GC.II]

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 1975

का० आ० 624 (अ).—केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण (नियन्त्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का. 45) की धारा 114 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, स्वर्ण नियन्त्रण (प्ररूप, फीस और प्रकीर्ण विषय) नियम, 1968 में और सशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम स्वर्ण नियन्त्रण (प्ररूप, फीस और प्रकीर्ण विषय) तृतीय सशोधन नियम, 1975 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. स्वर्ण नियन्त्रण (प्ररूप, फीस और प्रकीर्ण विषय) नियम, 1968 के परिशिष्ट में,

(क) प्ररूप जी० एस० 6 की अनुसूची में, क्रम सं० 12 और 13 के स्थान पर निम्न लिखित क्रम संख्याएं रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“12. क्या आप मानक स्वर्ण या आभूषणों के धोक व्यवहारी हैं ?

13. 31 अक्टूबर को समाप्त होने वाले पूर्ववर्ती 12 मास के दौरान अनुज्ञप्त व्यवहारियों से भिन्न व्यक्तियों को बेचे गए आभूषणों और वस्तुओं की मात्रा ।” ;

(ख) प्ररूप जी० एस० 6 की अनुसूची में, क्रम सं० 11, 12 और 13 के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्याएं रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“11. क्या आप मानक स्वर्ण या आभूषणों के धोक व्यवहारी हैं ?

12. 31 अक्टूबर को समाप्त होने वाले पूर्ववर्ती बारह मास के दौरान—

(क) विदेशी मुद्रा में संदाय किए जाने पर भारत के बाहर व्यक्तियों को, या पर्यटकों को,

(ख) अनुज्ञप्त व्यवहारियों से भिन्न व्यक्तियों को, बेचे गए आभूषणों और वस्तुओं की मात्रा ।” ।

[सं० 12/75/फ० सं० 131/27/72—जी० सी० II]

S.O. 625(E).—In exercise of the powers conferred by Section 114 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Gold Control (Forms, Fees and Miscellaneous Matters) Rules, 1968, namely :—

1. (1) These rules may be called Gold Control (Forms, Fees and Miscellaneous Matters) Third Amendment Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the 1st day of January, 1976.

2. In the Gold Control (Forms, Fees and Miscellaneous Matters) Rules, 1968 (hereinafter referred to as the said rules) to sub-rule (1) of rule 4, the following proviso shall be added, namely :—

“Provided that where any person who lends or advances money on the hypothecation, pledge, mortgage or charge of any article or ornament, or both, the further declaration referred to in sub-section (4) or sub-section (7), as the case may be, of section 16 shall be in Form No. G.S. 3A”.

3. In the Appendix to the said rules,

(a) after the Form No. G.S. 3, the following form shall be inserted, namely :—

“FORM No. G.S. 3A

[See rule 4(1)]

Further declaration referred to in sub-section (4) or sub-section (7) of section 16

Range.....

To
The.....

Sir,

I/We residing at hereby declare in the Schedule appended hereto particulars about ornaments/articles remaining unreturned during the quarter ending January/April/July/October, 197....

SCHEDULE

The number of pawnees whose ornaments/articles are still unreturned.	The number of unreturned ornaments/articles.	The weight of unreturned ornaments/articles.
1	2	3

1. Address of premises where the ornaments/articles are kept.

2. I/We hereby declare that to the best of my/our knowledge and belief the information furnished above is true and complete and include all the ornaments and articles of gold in my/our possession, custody or control either in my/our name or in partnership with other person.

I/We further declare that I/We have studied the provisions of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), before submitting this declaration.

Place.....

Date.....

Signature(s) of the declarant(s)

(To be filled by the proper officer)

Copy received on.....Recorded under No.....

Copy returned to declarant(s) on.....

Place.....

Date.....

Seal.....

Signature of the proper officer"

Designation.

(b) in Form No. G.S. 13, for the headings to columns 6, 7 and 8 the following headings shall be substituted, namely :—

Manufacture		
Description of article/ or ornament manufactured and primary gold left over.	Weight in grammes.	Date of return.
6	7	8

का० आ० 625 (प्र).—केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण (नियन्त्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 114 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, स्वर्ण नियन्त्रण (प्ररूप, फीस और प्रकीर्ण विषय) नियम, 1968 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम स्वर्ण नियन्त्रण (प्ररूप, फीस और प्रकीर्ण विषय) तृतीय संशोधन नियम, 1975 है ।

(2) ये 1 जनवरी, 1976 को प्रवृत्त होंगे ।

2. स्वर्ण नियन्त्रण (प्ररूप, फीस और प्रकीर्ण विषय) नियम, 1968 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 4 के उप-नियम (1) में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु जहां कोई व्यक्ति, जो किसी वस्तु या आभूषण या दोनों के आडमान, गिरवी, बन्धक या चार्ज पर धन उधार या अग्रिम देता है, वहां, यथास्थिति, धारा 16 की उपधारा (4) या उपधारा (7) में निर्दिष्ट अतिरिक्त घोषणा प्ररूप जी० एस० 3क में होगी।”

3. उक्त नियमों के परिशिष्ट में,

(क) प्ररूप संख्या जी० एस० 3 के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“प्ररूप संख्या जी० एस० 3क

[नियम 4 (1) देखिए]

धारा 16 की उपधारा (4) या उपधारा (7) में निर्दिष्ट अतिरिक्त घोषणा ।

सेवा में—

रैंज—

महोदय,

का / के निवासी मैं/हम इससे संलग्न अनुसूची में जनवरी / अप्रैल / जुलाई / अक्टूबर, 197—को समाप्त होने वाली तिमाही के दौरान वापस न किए गए स्वर्ण/वस्तुओं की बाबत विशिष्टियां घोषित करता हूँ/करते हैं ।

अनुसूची

ऐसे पण्यमदारों की संख्या जिनके आभूषणों/वस्तुओं को अभी तक वापस नहीं किया गया है ।	वापस किए गए आभूषणों/वस्तुओं की संख्या ।	वापस न किए गए आभूषणों/वस्तुओं का भार
--	---	--------------------------------------

1

2

3

1. उन स्थानों का पता जहां आभूषण/वस्तुओं को रखा गया है ।

2. मैं/हम घोषित करता हूँ/करते हैं कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे/हमारे अधिकतम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और इसमें वे सभी स्वर्ण आभूषण और वस्तुएं सम्मिलित

हैं जो मेरे/हमारे कब्जे, अभिरक्षा या नियन्त्रण में या तो मेरे/हमारे नाम में या अन्य व्यक्तियों के साथ भागीदारी में हैं ।

मैं/हम यह भी घोषित करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने, इस घोषणा को देने से पूर्व स्वर्ण (नियन्त्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) के उपबन्धों का अध्ययन कर लिया है ।

स्थान

तारीख

घोषणाकर्ता (घोषणाकर्ताओं) के हस्ताक्षर

(समुचित अधिकारी द्वारा भरा जाना है) ।

..... को प्राप्त प्रति, सं० के अधीन रिकार्ड की गई; प्रति को घोषणाकर्ता (घोषणाकर्ताओं) को वापस की गई ।

स्थान

तारीख

मुद्रा

समुचित अधिकारी के हस्ताक्षर

पदाभिधान

(ख) प्रकृप संख्या जी० एस० 13 में स्तम्भ 6, 7 और 8 के शीर्षकों के स्थान पर निम्नलिखित शीर्षक रले जाएंगे, अर्थात् :—

विनिर्माण

विनिर्मित वस्तु/आभूषण तथा प्राथमिक स्वर्ण का वर्णन	ग्रामों में भार	वापसी की तारीख
6	7	8

[सं० 13/75 का० सं० 131/27/72-जी०सी० II]

एम० जी० अग्रोल, अपर सचिव ।